

सरकार नयी, चेहरे वही

चर्चा तो मीडिया में बहुत थी कि फलां विभाग के लिए ये नेता दबाव डाल रहा है, उस पद के लिए वो पार्टी तय-तोड़ कर रही है और तमाम घटक दल अपने-अपने कोटे में मलई दार मंत्रिपत के लिए दबाव डाल रहे हैं।

लेकिन मन्त्रिमंडल का गठन, विभागों के बटवारे से लेकर, गृह, वित्त, विदेश, रक्षा, रेलवे जैसे मंत्रालयों के साथ ही एनएपए से लेकर प्रशासनिक पदों पर कार्यरत नौकरीशाहों तक में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। स्पष्ट है कि एनडीए सरकार न सिर्फ पूरी तरह भाजपा के निवंत्रण में है बल्कि पुरानी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को भी मोदी 3.0 में भी जस का तस आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे एक बात स्पष्ट हो गयी है कि मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी तीनी के साथ विकास होगा, विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के प्रयासों को आगे बढ़ाया जायेगा और सरकार रास्ते हित में बढ़े फैसले ठीक वैसे ही लेती रहेंगी जैसे पहले और दूसरे कार्यकाल में मजबूती के साथ लेती रही है। कुल मिलाकर भले ही सरकार नयी हो लेकिन चेहरे में भी जो और संकल्प सब कुछ पुराने ही है। कंट्रीव तीनी परिषद से भी स्पष्ट संकेत मिलता है कि यह निरंतरता की ही सरकार है भाजपा के अल्पमतक का तानाव और गठबंधन के दबावों, सबालों की जरा-सी भी चिंता प्रधानमंत्री मोदी को नहीं है। कायंभार सभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर किसान सम्मान निधि वाली फाइल पर किए, तो किसी भी मंत्री को जानकारी नहीं थी। प्रधानमंत्री ने 9.30 कोरोड किसानों के लिए 20,000, कोरोड रुपये जारी किए। किसानों को 17वीं किस्त दी गई। शाम को कैबिनेट की प्रधानमंत्री गढ़े तक में ही गिरियों के लिए ऐसे 3 कोरोड आवास बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई, जिसे शौचालय, एलपीजी, नल और बिजली के कनकशन की सुविधाएं भी होंगी। ये मकान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। मोदी सरकार अपने 10 साल के कालखंड में 4.21 कोरोड मकान बनाकर दे चुकी है और आगे भी पूरे सामर्थ्य के साथ सरकार आगे बढ़ा रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 2014 की मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। अब 2024 की कैबिनेट में भी वह स्वास्थ्य मंत्री ही बनाने गये हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, सबानन्द सोनोवाल, किरेन रिजॉजू, प्रह्लाद जोशी, मनसुख मांडिया, गजेन्द्र शेरावत, जी किशन रुद्धि आदि पुराने मंत्री हैं, जिन्हें नये मंत्रालय के साथ नई सरकार की हिस्सा बनाया गया है। सबसे संवेदनशील सुरक्षा की कैबिनेट कमेटी में भी कोई फरवर बदल नहीं किया गया है। एनएपए अजीत डोबल लगात तीसरी बार कोन्ट्रीन्यू कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार पर सहयोगी दर्दों का कोई दबाव नहीं है। सरकार में प्रधानमंत्री समेत 72 मंत्री हैं, जिनमें से 61 मंत्री भाजपा के हैं। सिर्फ 11 मंत्री हल्के-पल्क विभागों के साथ एनडीए के घटक के रूप में सरकार में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कैबिनेट में 7 पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन्त्रिमंडल के शपथ के समय जिस मजबूती के साथ पहले क्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को रखा उसे आगे बढ़ाते हुए विभागों के बंटवारे त कौर और अब प्रशासनिक पदों पर भी प्रधानमंत्री अपने भरोसे मंद संकल्प लोगों को ही बैठा रहे हैं। विदेश नीति, कृषि नीति, शिक्षा नीति, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी तमाम चीजें पहले की ही तरह आगे बढ़े गीं। अब तो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां अर्थक प्रगति लेकर भी आशान्वित होने लगी हैं कि गठबंधन सरकार से सरकार की महत्वपूर्ण अर्थक नीतियां और सुधारों के कार्यक्रम किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होंगी। इससे भारत का अर्थक विकास आगामी वर्षों में भी तेजी के साथ आगे बढ़ता रहेगा।



मोदी 3.0 में अधिकांश वही चेहरे हैं जो पूर्वी की सरकारों में थे, इसमें घटक दलों का कहीं भी दबाव नहीं दिखता।

धारा 370 निरस्त किये जाने के एक तरफा लाभ
राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिनवाये जाते हैं, लेकिन तथ्य यह है कि जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं। कायंभार सभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर किसान सम्मान निधि वाली को जारी किया।

इतनी सी है कि जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के बावजूद सांस्कृतिक विविधता और भौतिक विविधता की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

सैन्य समस्या नहीं है, इसके समाधान के लिए स्थानीय राजनीति को भी साथ लाना जरूरी है।

चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के बावजूद सांस्कृतिक विविधता और भौतिक विविधता की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

इसके साथ लाभ लाना जरूरी है।

साथ लाना जरूरी है।

विजय कपूर

मां जैसी प्रकृति की सेवा हम सभी का दायित्व है, धरती का अंग हरा भरा रहे, इसके लिए गिरावंश और सुधारों के इसके लिए गिरावंश का संवर्धन करने की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

भाजपा सरकार ने उन्हें भड़काऊ टिप्पणी के साथ सोशल मीडिया पर पीड़ितों की भयावह तस्वीरों को वारंवार लोगों के बावजूद निरापेक्ष निरापेक्ष आवाज सुनाए रहे। इसके लिए इसके लिए सांस्कृतिक विविधता को वारंवार करने की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

जम्मू कश्मीर के निरापेक्ष आवाज की जमीन पर जो सुरक्षा चुनौतियाँ हैं तुलना में भी जारी हैं।

